मूल हिन्दी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2643
06.03.2020 को उत्तर के लिए

वन क्षेत्र

2643. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में घने वन क्षेत्रों की क्या स्थिति है;
(ख) गत पांच वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या कोई वन क्षेत्र वन रहित क्षेत्र बन गया है; और
(घ) यदि हां, तो वर्तमान में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) भारतीय वन सर्वेक्षण, जो मंत्रालय का एक अधीनस्थ संगठन है, द्विवार्षिक आधार पर देश के वृक्षाच्छादन का आकलन कराता है और उस आकलन के निष्कर्षों को भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) में प्रकाशित किया जाता है। नवीनतम आईएसएफआर-2019 के अनुसार, 4,07,750 वर्ग किलोमीटर (कि.मी.^{2}) वन क्षेत्र को घने वन की श्रेणी में रखा गया है, जिसमें 70% से अधिक वृक्ष वितान घनत्व वाले अत्यंत घने वन (वीडीएफ) और 40% से अधिक तथा 70% से कम वृक्ष वितान घनत्व वाले मध्यम रूप से घने वन (एमडीएफ) शामिल हैं।

(ख) भारत वन स्थिति रिपोर्टों (आईएसएफआर) के अनुसार विगत पांच वर्षों के दौरान घने वृक्षाच्छादन का ब्यौरा निम्नवत् है:

(क्षेत्रफल कि.मी.^{2} में)

आईएसएफआर	अत्यंत घने वन (वीडीएफ)	मध्यम रूप से घने वन (एमडीएफ)	कुल घने वन
2015	85,904	3,15,374	4,01,278
2017	98,158	3,08,318	4,06,476
2019	99,278	3,98,472	4,07,750

(ग) और (घ): आईएसएफआर-2017 में अत्यंत घने वन (वीडीएफ), मध्यम रूप से घने वन (एमडीएफ) और खुले वन के रूप में आकलित 11,144 वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल आईएसएफआर-2019 के अनुसार वनेतर क्षेत्र बन चुका है। वनों की वृक्ष वितान श्रेणियों में परिवर्तन होना एक गत्यात्मक प्रक्रिया है और इस वृक्ष वितान में वृद्धि और कमी होती रहती है। इस प्रकार, वनेतर या खुले वन-क्षेत्र कालक्रम से घने वनों में परिवर्तित हो सकते हैं और घने वन भी वनेतर या खुले वन-क्षेत्र में परिवर्तित हो सकते हैं। नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार, समान अवधि के दौरान देश में वन और वृक्षाच्छादन में कुल मिलाकर 5188 वर्ग कि.मी. की वृद्धि हुई है।

****